उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

हल्द्वानी, नैनीताल

Ph.D in Jyotish

Syllabus

Ph.D Course work in Jyotish

(प्रश्न पत्र निर्माण हेतु पाठ्यक्रम)

इकाई - 1 ज्योतिष शास्त्र का परिचय

इकाई – 2 वेदाङ्ग ज्योतिष

इकाई - 3 ज्योतिष शास्त्र का ऐतिहासिक विवेचन

इकाई - 4 त्रि-पञ्च- बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष विवेचन

इकाई – 5 प्रमुख स्कन्ध – सिद्धान्त

इकाई – 6 प्रमुख स्कन्ध - संहिता

इकाई - 7 प्रमुख स्कन्ध - होरा

इकाई - 8 सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त

इकाई - 9 प्रलय की अवधारणा

इकाई - 10 विश्व, सौरपरिवार एवं पृथ्वी

इकाई - 11 काल की अवधारणा एवं भेद

इकाई – 12 दिग् व्यवस्था एवं भेद

इकाई - 13 सूर्यादि ग्रहों के भगण

इकाई - 14 ग्रहगति विवेचन

इकाई - 15 भूव्यास एवं स्पष्ट भूपरिधि विवेचन

इकाई - 16 भूगोल स्वरूप विवेचन

इकाई - 17 काल स्वरूप

इकाई - 18 मूर्त्तामूर्त्त काल विवेचन

इकाई – 19 ग्रहकक्षा एवं भचक्र व्यवस्था

इकाई - 20 नवविधकाल मान विवेचन

इकाई – 21 अहोरात्र व्यवस्था

इकाई – 22 अधिमास एवं क्षयमास

इकाई – 23 अहर्गण एवं मध्यम ग्रहसाधन

इकाई – 24 मन्दफल एवं शीघ्रफल

इकाई – 25 उदयान्तर, देशान्तर, भुजान्तर, क्रान्ति एवं चरान्तर संस्कार

इकाई - 26 ग्रहस्पष्टीकरण

इकाई -27 दिक् साधन, अयनांश विमर्श, पलभा एवं चरखण्डानयन, लग्नानयन तथा अक्षक्षेत्र परिचय

इकाई - 28 सूर्य एवं चन्द्रग्रहण विचार

इकाई - 29 भूभा, पात (राहु), ग्रास, शर एवं वलन एवं लम्बन एवं नति विचार

इकाई - 30 चन्द्रश्रृंगोन्नति, ग्रहोदयास्त, ग्रहयुति एवं पातविचार एवं दृक्कर्म विचार

इकाई - 31 भारतीय वेध परम्परा एवं वेधशाला विवेचन

इकाई – 32 गोल परिचय एवं प्रयोजन तथा विविध आभासिक वृत्तादि की परिभाषा

इकाई – 33 क्रान्ति एवं परम क्रान्ति विवेचन, द्युज्या, कुज्या, त्रिज्या, सूत्र, वित्रिभ, सत्रिभ आदि का विवेचन

इकाई - 34 भूभ्रमण सिद्धान्त, भू - आकर्षण सिद्धान्त, पृथ्वी का गोलत्व, परिधि व्यास सम्बन्ध

इकाई - 35 पंचांग परिचय एवं साधन

इकाई - 36 मुहूर्त्त परिचय, पंचांग का शुभाशुभत्व विवेचन

इकाई – 37 गर्भाधानादि (गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, पुंसवन एवं नामकरण मुहूर्त्त, कर्णवेध, अन्नप्राशन एवं चूड़ाकर्म मुहूर्त्त, अक्षराम्भ, विद्यारम्भ, उपनयन एवं विवाह मुहूर्त्त, वधूप्रवेश, द्विरागमन, गृहारम्भ, गृहप्रवेश एवं यात्रा मुहूर्त्त) प्रमुख मुहूर्त्त व संस्कार

इकाई - 38 नक्षत्र एवं ग्रह स्वरूप, उच्च - नीच, मूलत्रिकोणादि विवेचन

इकाई - 39 राशि प्रभेद एवं स्वरूप विवेचन

इकाई - 40 ग्रह, भाव एवं कारकत्व विचार

इकाई - 41 ग्रहदृष्टि एवं ग्रहमैत्री विचार, ग्रह भावबल परिचय एवं साधन

इकाई - 42 षडवर्ग, सप्तवर्ग एवं दशवर्ग तथा षोडश वर्गादि विवेचन

इकाई - 43 ग्रहों की अवस्था तथा विंशोपक बल साधन।

इकाई - 44 अरिष्टयोग एवं अरिष्ट भंग योग विचार।

इकाई - 45 अरिष्ट योगों का निदान तथा आयु विचार एवं साधन।

इकाई - 46 पंचांग फल विचार, भाव एवं भावेश फल विचार।

इकाई - 47 द्विग्रहादि योग फल, दृष्टि एवं कारकांश फल एवं अप्रकाशग्रह फल।

इकाई – 48 नाभस योग विचार, राज योग, चन्द्रादि योग, दारिद्रय योग तथा मारक योग।

इकाई - 49 विंशोत्तरी दशा साधन, अष्टोत्तरी दशा साधन तथा योगिनी दशा साधन।

इकाई - 50 अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर्दशा, सूक्ष्म दशा एवं प्राण दशा।

इकाई - 51 महादशा दशा फल विचार, अन्तर्दशाफल विचार, प्रत्यन्तर्दशा फल विचार, सूक्ष्मान्तर्दशा फल विचार तथा प्राणदशा फल विचार।

इकाई – 52 प्रमुख ज्योतिर्विदों (आचार्य लगध, आर्यभट्ट एवं वराहमिहिर, लल्ल, ब्रह्मगुप्त, वटेश्वर एवं श्रीपति, भास्कराचार्य, मकरन्दाचार्य, केशवाचार्य एवं गणेश दैवज्ञ, कमलाकर भट्ट, बापूदेव शास्त्री एवं सुधाकर द्विवेदी, नीलाम्बर झा, सामन्तचन्द्रशेखर, मुरलीधर ठाकुर तथा गंगाधर मिश्र) का जीवन परिचय।

इकाई - 53 संहिता ज्योतिष का परिचय, दैवज्ञ लक्षण विवेचन, ग्रहचार विवेचन एवं ग्रहवर्ष फल विवेचन।

इकाई - 54 वृष्टि के कारक, मेघ गर्भ लक्षण, वृष्टि विचार एवं वृष्टि भंग योग, प्राकृतिक आपदा का विवेचन तथा दकार्गल विचार।

इकाई - 55 वास्तुशास्त्र का स्वरूप, प्रवर्त्तक एवं आचार्य तथा वास्तुपुरूष की अवधारणा।

इकाई- 56 भूमि लक्षण शोधन, खात, वास्तुपद विन्यास, पिण्ड निर्माण एवं द्वार विन्यास तथा गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश मुहूर्त्त।

इकाई -57 यात्रा में घात विचार, शकुन विचार, यात्रा में कृत्याकृत्य विचार तथा गुरू एवं शुक्र विचार।

इकाई -58 यात्रा में ऋतुशुद्धि विचार, दिक्शुद्धि आदि विचार, त्रिविधयात्रा में शुद्धि विचार तथा यात्रा काल में भाव फल विचार।

इकाई – 59 शोध प्रविधि

इकाई - 60 ज्योतिष में अभिनव प्रयोग